हरि बिना मोरी गोपाल बिना मोरी

सावल सा गिरधारी, ओ भरोसो भारी,
ओ शरण तिहारी, ओ लज्जा हमारी,,,

हरि बिना मोरी, गोपाल बिना मोरी,
लक्ष्मी नाथ बिना मोरी,
गोपी नाथ बिना मोरी,
सावल सेठ बिना मोरी,
कौन खबर ले ॥

मोर मुकुट सिर, छत्र विराजे* ॥
कुण्डल की छवि प्यारी,
भला हो रामा*, कुण्डल की शोभा न्यारी,,,
हरि बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

लटपट पाग, केसरिया जामा* ॥
हिवड़े ओ हार हज़ारी,
भला हो रामा*, ग़ल विच हार हज़ारी,,,
हरि बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

वृन्दावन में, गऊएँ चरावे* ।
माधव वन में, धेनु चरावे* ।
बँसी वजावे, गिरवर धारी,
भला हो रामा*, मुरली वजावे छत्रधारी,,,
हरि बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

वृन्दावन में, रास रचो है* ।
माधव बन में, लीला रचो है* ।
सहस्त्र गोपियों रे गिरवर धारी,
भला हो रामा*, सहस्त्र गोपियों रे बनवारी,,,
हरि बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

छप्पन भोग, छतीसों व्यँजन / मेवा* ॥
भोग लगावे राधे प्यारी,
भला हो रामा*, भोग लगावे राधे प्यारी,,,
हरि बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

वृंदावन / माधोवन की कुंज गली में* ॥
खेलत राधे प्यारी,
भला हो रामा*, खेलत कृष्ण मुरारी,,,
हरि बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

इंद्र कोप, कियो बृज ऊपर* ॥

नख पर गिरवर धारी,
भला हो रामा*, नख पर गिरवर धारी,,,
हरि बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

औरन को तो, और भरोसो* ॥
हमको तो आस तिहारी,
भला हो रामा*, हमको तो शरण तिहारी,,,
हरि बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

बाई मीरा के प्रभु, गिरधर / नटवर नागर* ॥
चरण कमल बलिहारी,
भला हो रामा*, जनम जनम दासी थारी,,,
हरि बिना मोरी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

अपलोडर – अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24731/title/hari-bina-mori-gopal-bina-mori

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |